

**M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)**

**Term-End Examination**

**June, 2019**

00582

**MES-053 : EDUCATIONAL MANAGEMENT,  
PLANNING AND FINANCE**

*Time : 3 hours*

*Maximum Weightage : 70%*

*Note : (i) All questions are compulsory.*

*(ii) All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Discuss the significance of education and its role in accelerating the process of socio-economic development of a country. Give suitable examples.

**OR**

Describe the impact of globalization of education on its policy, planning, financing and management.

2. Answer the following question in about 600 words.

Describe the various ways of privatization of secondary and higher education in India with examples.

**OR**

Highlight the advantages, problems and issues of decentralization of educational planning and management in India.

3. Answer **any four** of the following in about **150** words each :
- (a) Significance of autonomy and accountability in educational institutions in India.
  - (b) Concept of scientific management approach.
  - (c) Methods of mobilisation of resources from non-government sources.
  - (d) Advantages and disadvantages of formula budgeting.
  - (e) Pre-requisites for district educational planning.
  - (f) Data collection methods in monitoring and evaluation.
4. Answer the following in about **600** words.  
Describe the role of government as co-ordinator at school level. Discuss co-ordination failures in school's with examples. Suggest specific strategies to rectify them.
-

एम.एड. ( शिक्षा में स्नातकोत्तर )

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

एम.ई.एस.-053 : शैक्षिक प्रबंधन, आयोजन और वित्त

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

देश के सामाजिक-आर्थिक विकास की प्रक्रिया की गति को बढ़ाने में शिक्षा के महत्व और इसकी भूमिका की चर्चा कीजिए। उपयुक्त उदाहरण दीजिए।

अथवा

शिक्षा की नीति, नियोजन, वित्तीयन और प्रबन्धन पर शिक्षा के भूमंडलीकरण के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

भारत में माध्यमिक और उच्च शिक्षा के निजीकरण के विविध तरीकों/विधियों (ways) का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

अथवा

भारत में शैक्षिक आयोजन और विकेन्द्रीकरण के लाभ, समस्याओं और मुद्दों पर विशेष बल दीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए :
- भारत में शैक्षिक संस्थाओं में स्वायत्तता और उत्तरदायित्व का महत्व।
  - वैज्ञानिक प्रबन्धन उपागम (Scientific management approach) की अवधारणा।
  - गैर-सरकारी स्रोतों से संसाधनों के संचारण (mobilisation) के तरीके।
  - फार्मुला बजटिंग (formula budgeting) के लाभ एवं हानियाँ।
  - जनपद शैक्षिक आयोजन के लिए पूर्वापेक्षाएँ।
  - निगरानी (मानीटरिंग) एवं मूल्यांकन में आँकड़ा-संग्रह की विधियाँ।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
- विद्यालय स्तर पर समन्वयक के रूप में सरकार की भूमिका का वर्णन कीजिए। विद्यालयों में समन्वयन असफलताओं की सोदाहरण चर्चा कीजिए। उन्हें सुधारने/संशोधित करने के लिए विशिष्ट रणनीतियाँ (strategies) सुझाइये।
-